लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 2671

12 मार्च, 2018 को उत्तर के लिए

इस्पात संयंत्रों का आधुनिकीकरण

2671. डॉ॰ अनुपम हाज़राः
श्रीमती रक्षाताई खाडसेः
श्री कपिल मोरेश्वर पाटीलः

क्या इस्पात मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) वर्तमान में देश में कार्यरत सरकारी क्षेत्र के विभिन्न इस्पात संयंत्रों का ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या सरकार ने भारतीय इस्पात प्राधिकरण लिमिटेड के संयंत्रों सहित देश के उक्त संयंत्रों के आधुनिकीकरण और विस्तार हेतु कोई योजना तैयार की है;

(ग) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और इस संबंध में संयंत्र-वार निर्धारित समय-सीमा क्या है; और

(घ) राष्ट्रीय इस्पात नीति, 2017 के कार्यान्वयन हेतु अब तक सरकार द्वारा क्या कदम उठाए गए हैं?

उत्तर

इस्पात राज्य मंत्री (श्री विष्णु देव साय)

(क) इस्पात मंत्रालय के प्रशासनिक नियंत्रणाधीन दो इस्पात विनिर्माण केन्द्रीय सार्वजनिक क्षेत्र उद्यम (सीपीएसई) नामशः स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल) और राष्ट्रीय इस्पात निगम लिमिटेड (आरआईएनएल) है।

राज्य/संघ राज्य क्षेत्रवार ब्यौरे निम्नानुसार है:

राज्य/केन्द्र शासित प्रदेशों के नाम	इकाई का नाम
स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल)	
छत्तीसगढ़	भिलाई स्टील प्लांट
पश्चिम बंगाल	दुर्गापुर स्टील प्लांट
	इस्को स्टील प्लांट, बर्नपुर
	अलॉय स्टील प्लांट, दुर्गापुर
ओडिशा	राउरकेला स्टील प्लांट
झारखंड	बोकारो स्टील प्लांट
तमिलनाडु	सेलम स्टील प्लांट
कर्नाटक	विश्वेश्वरैया आयरन एंड स्टील प्लांट
राष्ट्रीय इस्पात निगम लिमिटेड (आरआईएनएल)	
आंन्ध्र प्रदेश	विशाखापट्टनम स्टील प्लांट

(ख) इस्पात एक नियंत्रणमुक्त क्षेत्र है और सरकार की भूमिका एक सुविधाप्रदाता के रूप में होती है। इस्पात संयंत्रों के आधुनिकीकरण एवं विस्तार के बारे में निर्णय वस्तुत: संबंधित कंपनियों द्वारा वाणिज्यिक सोच-विचारों और बाजार गतिशीलता के आधार पर लिए जाते है। सेल और आरआईएनएल ने अपने इस्पात संयंत्रों के आधुनिकीकरण एवं विस्तार का आरंभ स्वयं द्वारा वित्तपोषित संसाधनों से किया है।

(ग) स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल) ने क्रूड इस्पात की उत्पादन क्षमता को 12.8 मिलियन टन प्रतिवर्ष (एमटीपीए) से बढ़ाकर 21.4 एमटीपीए करने के लिए भिलाई (छत्तीसगढ़), बोकारो (झारखण्ड), राउरकेला (ओडिशा), दुर्गापुर (पश्चिम बंगाल) और बर्नपुर (पश्चिम बंगाल) स्थित अपने पाँचों एकीकृत इस्पात संयंत्रों तथा सेलम (तमिलनाडु) स्थित विशेष इस्पात संयंत्र का आधुनिकीकरण और विस्तार कार्य आरंभ किया है।

प्रमुख संयंत्र-वार ब्यौरा इस प्रकार है:

संयंत्र	**क्रूड इस्पात क्षमता (मिलियन टन प्रतिवर्ष)**	
	विस्तार से पूर्व	**विस्तार के पश्चात**
भिलाई	3.93	7.00
दुर्गापुर	1.80	2.20
राउरकेला	1.90	4.20
बोकारो	4.36	4.61
इस्को, बर्नपुर	0.50	2.50
सेलम	-	0.18

सेल के आधुनिकीकरण और विस्तार योजना के अंतर्गत, भिलाई इस्पात संयंत्र में कुछ शेष सुविधा को छोड़कर, सभी प्रमुख सुविधाओं को पूरा कर लिया गया है और उन्हें स्थिर बनाया जा रहा है।

राष्ट्रीय इस्पात निगम लिमिटेड (आरआईएनएल) ने एक सिन्टर मशीन को छोड़कर अपनी तरल इस्पात क्षमता को 6.3 एमटीपीए से 7.3 एमटीपीए तक उन्नयन और आधुनिकीकृत करने के कार्य को पूरा कर लिया है। उत्पादन को उत्तरोत्तर रूप से बढ़ाने के लिए यूनिटों को स्थिर बनाने का कार्य प्रगति पर है।

(घ) इस्पात मंत्रालय राष्ट्रीय इस्पात नीति, 2017 के कार्यान्वयन के लिए अनुकूल वातावरण प्रदान करने के लिए रेलवे, खान, पर्यावरण एवं वन, वित्त, पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस इत्यादि विभिन्न मंत्रालयों के साथ सहयोग कर रहा है।

******